रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार , 8 अप्रैल, 2026

वर्ष 02 | अंक 89 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

इंदौर नगर निगम का चौथा डिजिटल बजट: 92 करोड़ घाटा, 8443 करोड़ खर्च का प्रावधान

इंदौर। शहर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मंगलवार को नगर निगम का अपना चौथा डिजिटल बजट पेश किया। बजट में जहां कोई नया कर नहीं लगाने की घोषणा की गई, वहीं बड़ी नई घोषणाओं से दूरी बनाते हुए पिछले वर्षों की योजनाओं को अगले दो साल में पूरा करने पर जोर दिया गया। महापौर ने अपने भाषण में शेरो-शायरी और कविताओं के जरिए शहर के विकास का विजन प्रस्तुत किया। बजट को 'विजन 2050' की थीम से जोड़ा गया, जिसमें इंदौर को भविष्य में एक बड़े मेट्रोपॉलिटन शहर के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक शहर की आबादी 90 लाख के पार पहुंच सकती है।

बजट का आकार और वित्तीय स्थिति- वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निगम ने 8455 करोड़ रुपए की आय और 8443 करोड़ रुपए के व्यय का प्रावधान रखा है। हालांकि 5 प्रतिशत आरक्षित निधि के कारण लगभग 92 करोड़ रुपए का घाटा दर्शाया गया है। निगम पर वर्तमान में करीब 600 करोड़ रुपए का कर्ज और लगभग 500 करोड़ रुपए की देनदारियां भी बनी हुई हैं।

प्रमुख फोकस: अधूरी योजनाओं को पूरा करना- महापौर ने स्पष्ट किया कि इस बार प्राथमिकता नई योजनाओं की घोषणा नहीं, बल्कि पहले की घोषणाओं को जमीन पर उतारने की है। उन्होंने कहा कि शहर में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

पानी और सड़कों पर जोर- बजट में नर्मदा के चौथे चरण का विशेष उल्लेख किया गया, जिसके तहत 1500 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से चार पैकेजों में काम शुरू किया गया है। 'दोगुना जल, मजबूत कल' के लक्ष्य के साथ जल आपूर्ति को सुदृढ़ करने की योजना है। इसके साथ ही मास्टर प्लान की 23 सड़कों के निर्माण पर 423 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। चंदन नगर ब्रिज को भी महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया।

डिजिटल सेवाएं और शिकायत निवारण- निगम के डिजिटल पोर्टल के माध्यम से नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान का दावा भी किया गया। महापौर ने कहा कि शहर में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए डिजिटल सिस्टम को मजबूत किया जा रहा है।

भागीरथपुरा घटना का जिक्र- बजट भाषण के दौरान भागीरथपुरा की घटना का जिक्र करते हुए महापौर भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, 'आंसू भी हमारे हैं और दर्द भी हमारा,' साथ ही ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने पर विशेष फोकस की बात कही।

शीर्ष नेतृत्व का उल्लेख- अपने संबोधन में महापौर ने नरेंद्र मोदी, मोहन यादव और कैलाश विजयवर्गीय के मार्गदर्शन का उल्लेख भी किया।

राजनीतिक प्रतिक्रिया की तैयारी-बजट पेश होने के दौरान जहां सदन में तालियां बजीं, वहीं अब विपक्ष द्वारा बजट की विस्तृत समीक्षा और आलोचना किए जाने की संभावना जताई जा रही है। इंदौर नगर निगम का यह बजट संतुलित वित्तीय प्रबंधन और अधूरी योजनाओं को पूरा करने की रणनीति पर केंद्रित नजर आता है। बिना नए कर लगाए विकास कार्यों को गति देना निगम के लिए बड़ी चुनौती भी होगी।

खुले जंगल में घूम रहे 12 चीते छह ने लांघ दी कूनो की सीमा

▶▶ खौफ में एमपी-राजस्थान के किसान, दूर तक सुनाई दे रही गूंज

श्योपुर। भारत के चीता प्रोजेक्ट ने एक ऐसी लंबी छलांग लगाई है, जिसकी गूंज अब मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से निकलकर राजस्थान के जंगलों तक सुनाई दे रही है। कूनो के 12 चीते अब पूरी तरह फ्री-रेंज यानी खुले जंगल में घूम रहे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से आधे यानी 6 चीते पार्क की हदें पार कर ग्वालियर, मुरैना, शिवपुरी और राजस्थान के बारां जिले तक पहुंच चुके हैं। केंद्र सरकार ने चीतों के कुनबे को बसाने के लिए 17,000 वर्ग किमी का एक विशाल चीता लैंडस्केप नोटिफाई किया है। यह कॉरिडोर मध्य प्रदेश के 12 और राजस्थान के 13 जिलों को आपस में जोड़ता है। इस मास्टर प्लान का मकसद कूनो, गांधी सागर अभयारण्य और मुकुंदरा हिल्स रिजर्व के बीच चीतों की बेरोक-टोक आवाजाही सुनिश्चित करना है।

रिहाइशी इलाकों के पास चीतों की मौजूदगी से ग्रामीणों में डर है, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि यह उनकी प्राकृतिक बसावट का हिस्सा है। कूनो प्रोजेक्ट का यह दूसरा चरण सबसे कठिन है। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से आए इन मेहमानों के लिए अब अस्तित्व की परीक्षा है। 2022 से अब तक कई मौतों और चुनौतियों के बाद, 12 चीतों का खुले में घूमना एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन 25 जिलों के ग्रामीणों को इसके लिए तैयार करना प्रशासन की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

● आमने-सामने आए इंसान और चीते

चीतों का कूनो से बाहर निकलना उनकी सफलता का प्रतीक तो है, लेकिन यह मानव-वन्यजीव संघर्ष की नई चुनौती भी लाया है। हाल ही में सबलगढ़ से एक वीडियो सामने आया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक ग्रामीण अपनी भैंस को चीते से बचाने के लिए उसे खदेड़ता नजर आया।

16 साल बाद पकड़ा गया लश्कर का आतंकी अबू हुरैरा

● जम्मू कश्मीर में बड़ी सफलता, चार अन्य को भी दबोचा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने पहलगाम आतंकी हमले का एक साल पूरा होने से पहले लश्कर ए तैयबा के आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने अंतर-राज्यीय इस मॉड्यूल में कुल पांच लोगों को अरेस्ट किया है। इसमें 16 साल से चकमा देर रहा लश्कर को कुख्यात आतंकी अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा भी शामिल है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार यह कफी समय से पकड़ से बच रहा था। बताया जा रहा है कि आतंकी का संपर्क कई नेटवर्क के साथ है।

देश के मुसलमानों को भड़का रही है कांग्रेस

● खरगे के बयान पर बीजेपी ने किया पलटवार

आरएसएस-बीजेपी को बताया था जहरीला सांप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पांच राज्यों में होने वाले चुनाव को लेकर सियासत तेज है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा बीजेपी और आरएसएस की तुलना जहरीले सांप से करने पर अब बीजेपी ने जबरदस्त पलटवार किया है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाते हुए इसे जिहादी पार्टी बताया है। साथ ही चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की है। सोमवार को बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, आईएनसी इंडियन नेशनल कांग्रेस नहीं, बल्कि ये इंडियन जिहादी कांग्रेस बन चुकी है। उन्होंने कहा, जिस प्रकार मल्लिकार्जुन खगरे मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए उन्हें सीधे-सीधे भड़का रहे हैं।

गरीबों का राशन डकार गए राजधानी के बड़े साहब

भोपाल में एसडीएम के आईडी-पासवर्ड से जारी हुए 37 फर्जी बीपीएल कार्ड

भोपाल। राजधानी में गरीबों के निवाले पर डाका डालने वाला एक बड़ा सफेदपोश गिरोह पकड़ा गया है। एमपी नगर एसडीएम कार्यालय की आधिकारिक आईडी और पासवर्ड का अवैध उपयोग कर ऐसे लोगों के बीपीएल राशनकार्ड जारी कर दिए गए, जिनके पास आलीशान मकान, गाड़ियां और 50 हजार रुपये तक का मासिक वेतन है। इस सनसनीखेज खुलासे के बाद जिला प्रशासन ने तत्काल 37 फर्जी कार्ड निरस्त कर दिए हैं।

एसडीएम की आईडी से हुआ फर्जीवाड़ा-फर्जीवाड़ा सिस्टम की डिजिटल सुरक्षा में बड़ी सेंध है। जिन परिवारों की आय 40 से 50 हजार रुपये है, उन्हें अति गरीब दिखाकर कार्ड जारी किए गए। इससे जिम्मेदारों पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। जब सरकारी तंत्र के भीतर बैठे लोग ही पासवर्ड साझा करने लगें, तो अपात्रों का शामिल होना आसान हो जाता है। अब भोपाल के सभी एसडीएम से पिछले एक साल का रिकॉर्ड मांगा गया है, जिससे कई और बड़े नाम सामने आने की आशंका है।

बाबू से लेकर ऑपरेटर तक... सब मिले थे खेल में

जांच में सामने आया कि यह कोई मामूली गलती नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश थी। वन विभाग के वन रक्षक किशोर मेहरा, जिनके पास कार्यालय की महत्वपूर्ण आईडी-पासवर्ड थे, उन्होंने पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री सुरेश बैरागी और कंप्यूटर ऑपरेटर गोविंद माली के साथ मिलकर अपात्रों की लॉटरी लगा दी। यहां तक कि कलेक्ट्रेट में कार्यरत बाबुओं के परिजनों के भी बीपीएल कार्ड बना दिए गए।

10 करोड़ के अंतर में अटकीं इंदौर की 8 शराब दुकानें, लगातार दूसरे दौर में भी नहीं मिला टेंडर

इंदौर। मध्य प्रदेश में शराब दुकानों की नीलामी प्रक्रिया लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। मंगलवार को आयोजित 14वें चरण में प्रदेशभर की 420 से अधिक बची दुकानों के लिए टेंडर आमंत्रित किए गए, लेकिन सिर्फ 21 दुकानों के लिए ही आवेदन आए। इंदौर की 8 दुकानें भी इस दौर में शामिल थीं, जिनके लिए एक भी टेंडर प्राप्त नहीं हुआ। इन दुकानों को लेकर स्थिति यह है कि महज 10 करोड़ रुपए के अंतर के कारण पूरी प्रक्रिया अटकी हुई है। 31 मार्च को जब न्यूनतम बोली की सीमा हटाई गई थी, तब इन दुकानों के लिए व्यापारियों ने कुल 76 करोड़ रुपए का ऑफर दिया था। हालांकि यह राशि निर्धारित कीमत से करीब 37 प्रतिशत कम थी, जिसके चलते सरकार ने इन प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया। बाद में सरकार ने कीमतों में 30 प्रतिशत तक कटौती की और नई न्यूनतम बोली 86 करोड़ रुपए तय की। इसके बावजूद अब तक इन दुकानों के लिए कोई टेंडर सामने

नहीं आया है। यानी सरकार 86 करोड़ रुपए चाहती है, जबकि बाजार से 76 करोड़ तक की ही बोली सामने आई है। इसी स्थिति को देखते हुए बुधवार को 15वें चरण की नीलामी प्रक्रिया आयोजित की जा रही है, जिसमें शाम 5 बजे टेंडर खोले जाएंगे। आबकारी विभाग को उम्मीद है कि इस बार कुछ दुकानों के लिए बोली लग सकती है। यदि इसके बाद भी दुकानें नहीं बिकती हैं, तो सरकार वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर निगम या मंडल बनाकर इन दुकानों को स्वयं संचालित करने पर विचार कर रही है।

लक्ष्य से आगे इंदौर- दिलचस्प बात यह है कि 8 दुकानें अभी भी नहीं बिकी हैं, इसके बावजूद इंदौर पहले ही अपने राजस्व लक्ष्य को पार कर चुका है। 173 दुकानों के लिए 2102 करोड़ रुपए का लक्ष्य तय किया गया था, जबकि अब तक 165 दुकानें ही 2105 करोड़ रुपए में नीलाम हो चुकी हैं। यानी लक्ष्य से 3 करोड़ रुपए अधिक राजस्व पहले ही प्राप्त हो चुका है। अब बची हुई 8 दुकानें जिस भी कीमत पर बिकेंगी, वह इंदौर के कुल राजस्व में अतिरिक्त बढ़ोतरी ही करेंगी।

इंदौर में अंगदान को बढ़ावा देने पर मंथन: संभागायुक्त सुदाम खाड़े ने ली बैठक, परिवारों को सहायता पर जोर

इंदौर। शहर में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और दान करने वाले परिवारों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर संभागायुक्त सुदाम खाड़े ने एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में शहर के विभिन्न अस्पतालों के डॉक्टरों और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े पदाधिकारियों ने भाग लेकर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक के दौरान संभागायुक्त ने कहा कि जिन अस्पतालों में अंगदान की प्रक्रिया पूरी की जाती है, वहां सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। विशेष रूप से इंदौर के बाहर से आने वाले मरीजों के परिजनों के लिए एम्बुलेंस सहित अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि इंदौर पहले से ही अंगदान के प्रति जागरूक शहर रहा है और अब इस दिशा में और बेहतर कार्य कर इसे नए मुकाम तक पहुंचाने की आवश्यकता है। बैठक में प्राप्त सुझावों पर शीघ्र अमल करने की बात कही गई, जिससे शहर में अंगदान को और अधिक बढ़ावा मिल सके और जरूरतमंद मरीजों को समय पर जीवनदायी सहायता उपलब्ध हो सके।

इंदौर का 'ट्रैफिक प्रहरी' अभियान बना जनभागीदारी की मिसाल: 3270 नागरिक जुड़े, 4 उत्कृष्ट प्रहरियों का सम्मान

इंदौर। शहर में सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा चलाया जा रहा 'ट्रैफिक प्रहरी' अभियान जनभागीदारी का सशक्त उदाहरण बनता जा रहा है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में संचालित इस अभियान से अब तक 3270 जागरूक नागरिक जुड़ चुके हैं, जो विभिन्न चौराहों पर यातायात प्रबंधन में सहयोग कर रहे हैं। इसी क्रम में दिनांक 07.04.2026 को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बेहतर यातायात

व्यवस्था में योगदान देने वाले 4 ट्रैफिक प्रहरियों–हिमांशु कोल, हर्षित परमार, हर्ष माहेश्वरी एवं विक्रम राठौर–को शील्ड, प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान उनके कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी इसी प्रकार सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन और प्रबंधन की प्रक्रिया में सहभागी बनाना है, जिससे शहर में सुरक्षित और सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस पहल से जुड़कर यातायात पुलिस का सहयोग करें और जागरूकता फैलाने में अपनी भूमिका निभाएं। अभियान से जुड़ने के इच्छुक नागरिक निर्धारित क्यूआर कोड स्कैन कर गूगल फॉर्म के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं तथा अपनी सुविधा अनुसार समय और स्थान का चयन कर 'ट्रैफिक प्रहरी' के रूप में योगदान दे सकते हैं।

बजट प्रस्तुत करने के बाद महापौर साईं कृपा कॉलोनी पहुंचे

● बोरिंग में आ रहे गंदा पानी की समस्या के निराकरण के दिए निर्देश

इन्दौर। साईं कृपा कॉलोनी में बोरिंग में आ रहे गंदे पानी की समस्या की शिकायत मिलने पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव नगर निगम में बजट प्रस्तुत करने के बाद मौके पर पहुंचे ।उन्होंने साईकृपा कॉलोनी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का मुख्य मकसद क्षेत्र में उत्पन्न पेयजल समस्या का मौके पर जाकर जायजा लेना एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद संगीता महेश जोशी, और झोनल अधिकारी प्रकाश नागर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे ।गौरतलब है कि विगत दिनों साईकृपा कॉलोनी के रहवासियों द्वारा क्षेत्र के बोरिंग में गंदा पानी आने की गंभीर समस्या से अवगत कराया गया था। नागरिकों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को मौके पर जांच कर समस्या के स्थायी समाधान हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही यह सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए कि क्षेत्रवासियों को किसी प्रकार की पेयजल संकट का सामना न करना पड़े। इसके लिए नर्मदा लाइन के माध्यम से जलापूर्ति के साथ-साथ आवश्यकतानुसार पेयजल टैंकर की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए ।महापौर के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा साईकृपा कॉलोनी में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

विदेशी पार्सल के नाम पर 10 लाख की ठगी, कस्टम-एक्साइज ड्यूटी के नाम पर लिए रुपए

इंदौर। शहर में एक बार फिर से साइबर अपराधी सक्रिय होकर एक के बाद एक लोगों के साथ ऑनलाइन ठगी कर रहे हैं। कल फिर इस तरह की ठगी के मामलों में पुलिस ने केस दर्ज किए। हीरानगर इलाके में साइबर अपराधियों ने एक महिला को इंग्लैंड से पार्सल आने और कस्टम-एक्साइज ड्यूटी के नाम पर 10 लाख रुपए ठग लिए। हीरानगर पुलिस ने फरियादी रितिका राजपूत मूल निवासी झल्लार जिला बैतूल की शिकायत पर केस दर्ज दर्ज किया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि दो मोबाइल नंबरों के धारकों ने इंग्लैंड से पार्सल भेजने का झांसा दिया और पार्सल पर कस्टम व एक्साइज ड्यूटी के बहाने फर्जी तरीकों से करीब 10 लाख ठग लिए।

ऑनलाइन वर्क का झांसा देकर 7 लाख की धोखाधड़ी- इसी प्रकार लसूड़िया पुलिस ने यश मेहता निवासी ड्रीम सिटी तलावली चांदा की रिपोर्ट पर केस दर्ज किया। उन्होंने बताया कि मुझे टेलीग्राम के माध्यम से ऑनलाइन वर्क का ऑफर मिला। इसमें बताया गया कि होटल की फाइव स्टार रेटिंग करने पर कमीशन मिलेगा। इस प्रलोभन में आकर मैंने कार्य प्रारंभ किया। मुझसे विभिन्न खातों में 7 लाख 5 हजार 425 रुपए ट्रांसफर करवाए गए। परंतु आज तक कोई राशि वापस नहीं मिली।

बैंकिंग फ्रॉड खाते से 1.90 लाख उड़ाए- बाणगंगा थाना इलाके के प्रगति पार्क निवासी ज्ञानेन्द्र सिंह के साथ बैंकिंग फ्रॉड हुआ। 11 नवंबर 2025 को उनके मोबाइल पर एक ओटीपी आया, जिसके कुछ ही देर बाद उनके इंडसइंड बैंक खाते से 1,90, 000 रुपये कटने का मैसेज मिला। पुलिस अब उस सस्पेक्टेड लिंक और मैसेज की जांच कर रही है जिसके जरिए बैंक सर्वर में सेंध लगाई गई।

मोबाइल हैक कर निकाला डेढ़ लाख का लोन- एरोड्रम थाना क्षेत्र में ठगी का एक नया तरीका सामने आया है। फरियादी विपिन गायकवाड़ का मोबाइल अज्ञात सॉफ्टवेयर के जरिए हैक कर लिया गया। इसके बाद ठगों ने विपिन के बैंक क्रेडेंशियल्स का उपयोग कर उनके नाम पर डेढ़ रुपये का पर्सनल लोन स्वीकृत कराया और उस राशि को तुरंत दूसरे खातों में ट्रांसफर कर लिया। सभी मामलों में पुलिस केस दर्ज कर मोबाइल नंबर और बैंक खातों के नंबरों के आधार पर आरोपियों का पता लगा रही है।

पुलिस आयुक्त कार्यालय में जनसुनवाई: 78 शिकायतों पर सुनवाई, त्वरित निराकरण के दिए गए निर्देश

इंदौर। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में दिनांक 07.04.2026 को पुलिस आयुक्त कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान संतोष कुमार सिंह (पुलिस कमिश्नर, इंदौर) ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिक अपने आपसी व पारिवारिक विवाद, पैसों के लेनदेन, फाइनेंशियल फ्रॉड, प्लॉट/जमीन से जुड़ी धोखाधड़ी, महिला अपराधों सहित अन्य पुलिस संबंधी समस्याएं लेकर पहुंचे। कुल 78 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए। पुलिस कमिश्नर ने प्रत्येक आवेदक से व्यक्तिगत संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा और हितों के संरक्षण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। इस दौरान सभी ज़ोन के अधिकारी भी उपस्थित रहे और पुलिस कमिश्नर के निर्देशानुसार आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुनते हुए आवश्यक कार्यवाही की गई।

रणजीत टाइम्स

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में NSUI का प्रदर्शन, 6 नेता गिरफ्तार, भारी पुलिस बल रहा तैनात

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के आरएनटी परिसर में मंगलवार को उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब एनएसयूआई कार्यकर्ता बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शन करने पहुंच गए। प्रदर्शन के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई, जिसके बाद पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए 6 पदाधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए नेताओं में एनएसयूआई जिला अध्यक्ष रजत पटेल भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, स्थिति बिगड़ती देख एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि बाकी कार्यकर्ताओं को समझाइश देकर छोड़ दिया गया।

प्रदर्शन के पीछे ये रहे मुद्दे- एनएसयूआई पदाधिकारियों का आरोप है कि यूनिवर्सिटी में लंबे समय से प्रशासनिक और शैक्षणिक समस्याएं बनी हुई हैं।

रिजल्ट जारी होने में देरी
कॉपियों के मूल्यांकन में गड़बड़ी
अन्य शैक्षणिक अनियमितताएं
इन मुद्दों को लेकर सैकड़ों छात्र दोपहर 1:40 बजे से 2:30 बजे तक प्रदर्शन करते रहे।

रील बनाने में व्यस्त दिखे कुछ छात्र- प्रदर्शन के दौरान एक अलग ही नजारा भी देखने को मिला। पुलिस का कहना है कि कुछ छात्र नेता विरोध से ज्यादा सोशल मीडिया के लिए रील बनाने में व्यस्त थे। कई बार बैरिकेड्स लांघने की कोशिश भी की गई, ताकि कैमरे में बेहतर फुटेज मिल सके।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को माइक से घोषणा करनी पड़ी–
रील के चक्कर में ऐसा मत कीजिए, शालीनता से ज्ञापन दीजिए और वापस जाइए।

भारी पुलिस बल रहा तैनात- प्रदर्शन को देखते हुए आरएनटी परिसर में पहले से ही पुलिस बल तैनात था। जब छात्रों ने जबरन कैंपस में प्रवेश करने की कोशिश की, तो पुलिस के साथ उनकी तीखी झड़प हो गई।

पुलिस का बयान- एडिशनल डीसीपी रामसनेही मिश्रा के मुताबिक, कार्यकर्ताओं को लगातार समझाया जा रहा था, लेकिन जब वे नहीं माने और धक्का-मुक्की करने लगे, तो 6 मुख्य पदाधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

एनएसयूआई का ऐलान- गिरफ्तारी के बावजूद संगठन का कहना है कि उनका आंदोलन जारी रहेगा। एनएसयूआई ने साफ किया है कि जब तक विश्वविद्यालय अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं करता, तब तक यह लड़ाई निर्णायक रूप से जारी

9 अप्रैल को किसानों के समर्थन में कांग्रेस का प्रदेशव्यापी आंदोलन, कलेक्टर कार्यालयों का होगा घेराव

इंदौर। भाजपा सरकार ने किसानों से किए गए वादों को पूरा नहीं किया है और प्रदेश का अन्नदाता आज अपने ही हक के लिए सड़कों पर आने को मजबूर है। मध्यप्रदेश में आज किसान सबसे ज्यादा पीड़ित और उपेक्षित वर्ग बन गया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने चुनाव के समय किसानों से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन वादों को पूरी तरह भुला दिया गया है। यह किसानों के साथ सीधा-सीधा क्रूर विश्वासघात है। प्रदेश का अन्नदाता आज अपनी फसल का उचित मूल्य पाने के लिए दर-दर भटक रहा है। समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। मंडियों में अव्यवस्था, खरीदी में देरी और बारदाने की कमी के नाम पर किसानों को परेशान किया जा रहा है। ऊपर से प्राकृतिक आपदाओं–ओलावृष्टि और बारिश–से प्रभावित किसानों को अब तक समुचित मुआवजा नहीं मिला है। कांग्रेस पार्टी किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के आह्वान पर 9 अप्रैल को प्रदेशव्यापी आंदोलन करेगी। इसमें हर जिले में कलेक्टर कार्यालयों का घेराव किया जाएगा। यह बात आज इंदौर

प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री सज्जनसिंह वर्मा एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े ने कही। श्री वर्मा ने कहा कि कहा कि शिवराज सिंह चौहान अपने आप को किसान का बेटा कहते हैं, अन्नदाता को भगवान कहते हैं, लेकिन उनके कृषि मंत्री रहते हुए किसानों के साथ खूब मजाक किया जा रहा है। प्रदेश में लगभग 160 लाख टन के लिए पंजीकरण हुआ लेकिन सरकार द्वारा 78 लाख टन खरीदी की सीमा तय की गई है।। प्रदेश में 10 करोड़ बारदानों की है, लेकिन सरकार ने 2 करोड़ 60 लाख बारदानों का ही आर्डर दिया है, जो कि बहुत कम है। पड़ोसी राज्य राजस्थान किसानों को 150 रुपये बोनस दे रहा है, वहीं हमारे यह सिर्फ 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। कांग्रेस की मांग है कि गेहूं की एमएसपी 3000 रुपए प्रति क्विंटल की जाए, ताकि किसानों का लागत मूल्य निकल सके। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर किसानों को बिचौलियों के हवाले करने का गंभीर आरोप लगाया है। सरकार ने खरीदी की तारीखों को तीन बार आगे बढ़ाया है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम में 10 अप्रैल और अन्य संभागों में 15 अप्रैल से खरीदी का निर्णय केवल इसलिए लिया गया है ताकि किसान अपनी फसल कम दामों में व्यापारियों को बेच दे। ओलावृष्टि से प्रदेश के 17 जिलों में फसलें बर्बाद हो गईं। मंडियों में भी हजारों क्विंटल गेहूं भीग गया। कैग की रिपोर्ट बताती है कि किसानों के लिए निर्धारित 50 प्रतिशत राशि सरकार ने खर्च ही नहीं की, जबकि प्रदेश में कर्ज के कारण दो साल में 1229 किसानों ने आत्महत्या कर ली। इंदौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े ने कहा कि खरीदी में की जा रही देरी, बारदाने की कमी का बहाना और ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों की उपेक्षा सरकार की किसान-विरोधी नीति का प्रमाण है। इंदौर जिला सहित पूरे प्रदेश में किसान आज बेहद कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। खरीदी केंद्रों पर भारी अव्यवस्था है–किसानों को लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ रहा है, कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है, फिर भी उनकी फसल समय पर नहीं खरीदी जा रही। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सर्वे करवाकर ओलावृष्टि से फसलों के नुकसान का 50 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से राहत राशि दी जाए। गेहूं की खरीदी शुरू कर 27 हजार रुपए प्रति क्विंटल की जाए। खरीदी में देरी के कारण किसानों के ब्याज माफ करने की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि मंडियों में बारदाने के पुख्ता इंतजाम और तुरंत खरीदी शुरू नहीं की गई, तो कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेशभर में उग्र प्रदर्शन करेंगे और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के भोपाल निवास के समक्ष उपवास पर बैठेंगे। पत्रकार वार्ता में एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे, प्रदेश प्रवक्ता राजेश चौकसे, अमित चौरसिया, प्रमोद द्विवेदी भी उपस्थित थे।

इंदौर कचरा प्रबंधन में एक कदम आगे: 50 स्मार्ट टॉयलेट, ग्रीन फ्यूल और जीरो वेस्ट की दिशा में नई पहल

इंदौर। स्वच्छता के क्षेत्र में देशभर में पहचान बना चुका इंदौर अब अपशिष्ट प्रबंधन के नए आयाम स्थापित करने जा रहा है। नगर निगम ने कचरे के बेहतर उपयोग, स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और आधुनिक सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। शहर में सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण पे एंड यूज पद्धति पर किया जाएगा, जबकि गरीब बस्तियों में यह सुविधा निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। इसके साथ ही पीपीपी मॉडल पर 50 स्मार्ट टॉयलेट बनाए जाएंगे, जिनकी निगरानी आईओटी तकनीक से की जाएगी ताकि साफ-सफाई और रखरखाव बेहतर हो सके। नगर निगम अब बेकार कपड़ों, फाइबर और अन्य अपशिष्ट से चारकोल बनाने की योजना पर काम कर रहा है। आरडीएफ के जरिए तैयार यह चारकोल हरित ईंधन के रूप में उपयोग होगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। देवगुराड़िया स्थित एशिया के सबसे बड़े बायो-सीएनजी प्लांट की क्षमता 550 टन प्रतिदिन से बढ़ाकर 800 टन प्रतिदिन कर दी गई है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि होगी। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को और मजबूत करने के लिए 200 टीपीडी क्षमता का नया प्लांट स्थापित किया जाएगा। वहीं, ग्रीन वेस्ट से बायो फ्यूल बनाने के लिए 100 टन क्षमता वाला संयंत्र भी पीपीपी मॉडल पर स्थापित किया गया है, जहां से पैलेट तैयार कर पर्यावरण हितैषी ईंधन बनाया जा रहा है। इंदौर चिड़ियाघर को जीरो वेस्ट परिसर बनाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। साथ ही ऑन-डिमांड कचरा कलेक्शन को डिजिटाइज कर नागरिकों को अधिक सुविधा प्रदान की जाएगी। 'सस्टेनेबल परिसर चैलेंज' के माध्यम से संस्थाओं, सोसायटियों और व्यावसायिक परिसरों को शून्य अपशिष्ट प्रबंधन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

स्वच्छ शहर जोड़ी पहल से देपालपुर में बदलाव- स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के तहत इंदौर नगर निगम ने देपालपुर नगर परिषद को तकनीकी सहयोग और मार्गदर्शन दिया है। इसके परिणामस्वरूप देपालपुर में 100 प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण लागू किया गया और स्रोत पर चार श्रेणियों में कचरा पृथक्करण सुनिश्चित किया गया। यहां गीले और सूखे कचरे की वैज्ञानिक प्रोसेसिंग व्यवस्था विकसित की गई है, जिससे स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप मिला है। इसी कड़ी में देपालपुर के देवगुराड़िया क्षेत्र में वर्षों से जमा करीब 1250 मीट्रिक टन लीगेसी वेस्ट का वैज्ञानिक उपचार भी किया गया। नगर निगम की इन पहलों से स्पष्ट है कि इंदौर न केवल स्वच्छता बनाए रखने में अग्रणी है, बल्कि कचरे को संसाधन में बदलकर सतत विकास की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

आत्म सुख का मार्ग है सहज योग

आत्मविनाशी यानि आत्मा को सुख न दे पाने वाले व्यवहार वे हैं जो हमें भावनात्मक, शारीरिक या मानसिक रूप से नुकसान पहुँचाते हैं। यह कभी कभार अंजाने में हो जाता है या हो सकता है कि आप ठीक-ठीक जानते हों कि आप क्या गलत कर रहे हैं, लेकिन कई इच्छायें इतनी प्रबल होती है कि उसे नियंत्रित नहीं किया जा सकता है यानि हम अपनी इच्छाओं के गुलाम हो जाते हैं। बुरी आदतें जैसे रोज देर रात तक जागने की आदत के कारण स्ट्रेस बढ़ता है। इससे उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, डायबिटीज या डिप्रेशन जैसी समस्या की आशंका बढ़ सकती है। जरुरत से ज्यादा खाने से या फास्ट फूड अधिक खाने से मोटापा बढ़ता है। वजन ज्यादा होने पर शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी बढ़ता है, जिससे हृदय को नुकसान पहुंचता है। इन आदतों से बेबस व्यक्ति क्रोधित और चिड़चिड़ा भी हो जाता है जो हमारे अपने जीवन को त्रस्त कर देता है। नशे की आदत सबसे बड़ी गुलामी है। दरअसल जब हम अपनी बुरी आदतों पर काबू पाने की कोशिश तो करते हैं पर तब हमारे दिमाग के कुछ हिस्से हमारे खिलाफ काम कर रहे होते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, "ये आदतें हमारे दिमाग को कठोरता से जकड़े रखती हैं।" और मस्तिष्क का

भाग उन चीज़ों के लिए तरसता रहता है जिसका विरोध करने की हम बहुत कोशिश कर रहे होते हैं। पर हमेशा हम क्या हमेशा अपनी बुरी आदतों का गुलाम बने रहेंगे। हमें इन बुराईयों से मुक्ति तो चाहिए ना? इस संबंध में हमारी परमपूज्य श्री माताजी ने दिनांक 26 अप्रेल 1993 के प्रवचन में हम सहज योगियों को यह निर्देशात्मक जिम्मेदारी दी है उन्होंने कहा कि, "हम नहीं कह सकते हैं कि कितने बचाये जायेंगे। क्या मनुष्य अपनी मूर्खता के कारण, अपनी विनाशकारी आदतों के कारण खो सकते हैं, जो उन्होंने बना ली हैं। लेकिन आपकी (सहज योगियों की) बहुत बड़ी जिम्मेदारी है ऐसा मत सोचो कि "मैं किसी काम के लिए अच्छा नहीं हूँ। " कभी नहीं, ऐसा कभी मत सोचो। आप सभी संत हैं और आप महान कार्य करने में सक्षम हैं।" महान कार्य यह है कि जो इंसान सहज योग से जुड़ा नहीं हैं उन्हें हम सहज योग बतायें। दरअसल ध्यान धारणा वो भी सहज योग पद्धति से जब हम करते हैं तो हमारी आत्मा जागृत होती है और हमारे सुक्ष्म शरीर की शक्तियां हममें सद्गुण जागृत करती है और आश्चर्यजनक बदलाव हममें आते हैं। हमारे हाथों से और सिर के तालु भाग से प्रवाहित होने वाला चैतन्य हमारे मस्तिष्क और विचारों को संतुलित करता है। तो क्यों न हम सहज योग को अपनायें। जीवन को सुंदर बनाने का सुंदर मार्ग है सहज योग। सहज योग सरल है और पूर्णतया निशुल्क भी। अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

अज्ञान के अंधकार को हटाकर अंतःकरण को प्रकाशित करता है सहजयोग ध्यान

ज्ञान रुपी चक्षु कोई भी जन्म से ही लेकर नहीं पैदा होता। और न ही इसे कोई स्वयं अपने बलबूते पर धारण कर सकता है। इसे धारण करने के लिए किसी ज्ञानी का सानिध्य जरूरी है। यहां तक कि राम चंद्र जी जैसे अवतरित महापुरुष ने भी इस ज्ञान रूपी चक्षु को धारण करने के लिए ऋषि मुनियों का ही आशीर्वाद लिया था। और आम जन की यह किस्मत पर निर्भर करता

है कि उसे जीवन भर कोई ऐसा संग मिल भी पाता है या नहीं। कई बार हमारी आंखों के सामने राह होती है और हम पहचान नहीं पाते हैं। ज्ञान अर्जित महानुभावों का कहना है कि प्रत्येक मनुष्य में ज्ञान होता है किन्तु अज्ञान उसे आच्छादित किये रहता है। उस अज्ञान के हटने पर ही मनुष्य को ज्ञान की अनुभूति होती है और अज्ञान तभी हटता है जब मनुष्य का अंतःकरण पूर्णतः शुद्ध हो। ब्रम्हज्ञान पाने का अधिकारी केवल वही साधक है जिसका अंतःकरण शुद्ध होगा। सहज योग ध्यान एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे नाड़ियों व चक्रों की शुद्धता होती है भय, अहंकार और क्रोध को त्यागकर ही हम पूर्णतः शुद्ध हो सकते हैं। चक्रों में पहले चक्र मूलाधार चक्र पर ध्यान करके हम सत्सत् विवेक व बोध प्राप्त करते हैं जिससे हमें अपने स्व को पहचानने का अवसर मिलता है। ध्यान के दौरान कुंडलिनी शक्ति सभी चक्रों को प्रकाशित करते हुये जब सहस्त्रार का भेदन करती है, ज्ञान चक्षु खुल जाते है। इस ज्ञान चक्षु से हम ईश्वरीय चेतना से अभिभूत होते हैं और सत्य व यथार्थ की अनुभूति होती है। ईश्वरीय साम्राज्य में प्रवेश करने से बढ़कर कोई और ज्ञान नहीं है। हमारे अंदर व्याप्त अंधकार छंटने लगते है और हम अपने को और दूसरों को भी सही प्रकार से देख पाते हैं। योग कई प्रकार के हैं। पर, सहज योग से कम समय में आत्मसाक्षात्कार पाना संभव होता है। एक शुद्ध इच्छा लेकर सहज योग से जुड़ें। सहज योग के सेंटर्स पर नये साधकों का हम हृदय से स्वागत करते हैं। सहज योग के बारे में जानने हेतु हमारा टोल फ्री नंबर है 18002700800 पर कॉल कर सकते हैं सहज योग पूर्णतया निशुल्क है

आत्मसाक्षात्कार के द्वारा ईश्वर के प्रेम की अलख को अपने भीतर अनुभव करें

आतम अनुभव जब भयो तब नही हर्ष विषाद ॥
चित्रदीपसम है रहे, तजिकर वादविवाद ll

हमारी भारतीय संस्कृति आत्मोन्नति की बात करती है। अध्यात्म इस भूमि के कण-कण में बसा है। हमारे भारत देश में जितने भी संत हुए ऋषि - मुनि हुए, उन सभी ने स्वयं को प्राप्त इस आत्मसाक्षात्कार को जनसामान्य तक पहुँचाने का पूरा प्रयास किया। संत कबीर दास जी को जब आत्मसाक्षात्कार प्राप्त हुआ तो वह उस आनंद का वर्णन उन्होंने अपनी कविता में किया है। वे कहते हैं कि अपने आप के स्वरूप चैतन्य का यानि की हृदयस्थ आत्मा का जब अनुभव हो जाता है, तब हर्ष शोक नहीं रह जाते। आत्मसाक्षात्कार प्राप्त व्यक्ति किसी से भी वाद-विवाद नही करता। वह व्यक्ति भीतर से शांत, करुणामयी, आनंदयुक्त होकर चित्र के दीपक की भाँति स्थिर हो जाता है। प. पूज्य श्री माता जी श्री निर्मलादेवी प्रणित सहजयोग में उपरोक्त वर्णित आत्मानुभव लिया जा सकता है।सहजयोग अपने चित्त को अपने भीतर झाँकने की दिव्य कला सिखाता है। श्री माता जी कहते हैं कि आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना आपका जन्मसिद्ध अधिकार है। आपका प्रथम स्वार्थ है ।स्वतः को जानना यानि अपनी आत्मा को जानना | जब सहजयोग में साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है l तब उसे इसकी अनुभूति अपने सूक्ष्म शरीर पर, अपने हाथों की उँगलियो के छोरों पर और अपने तालुभाग पर होती है। आदि शंकराचार्य जी ने इसे सौन्दर्यलहरी, आनंदलहरी कहा है l उसे साधक जब स्वयं मे अनुभूति करता है l तो वो भी चित्र के दीपक समान स्थिर, शांत और निरानंदमयी हो जाता है।जब हमारा अहंभाव पोषित होता है l तब हमें सुख मिलता है, जैसे अगर किसी ने हमारी प्रशंसा की तो हमें सुख मिलता है, हमे ऊंचा पद, प्रतिष्ठा या संपत्ती प्राप्त हुई तो हमें सुख मिलता

है l परंतु जब हमें कोई प्रताड़ित करता है, अपयश मिलता है तो हमारा -प्रतिअहंभाव पोषित होने से हमें दुःख होता है। परंतु आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होने के बाद हमें जो निरानंद प्राप्त होता है, तब हमे हर्ष और विषाद नहीं रहते, अर्थात् हम हमारे अहंकार और प्रति अहंकार पर विजय प्राप्त करते हैं, उनसे परे जाते हैं l तब हमें ये आल्हाददायनी चैतन्य लहरियाँ मिलती हैं। अमृतमयी आनंद देनेवाली अनुभूति को हम सहर्ष महसूस कर सकते हैं। आपको भी अगर वाद-विवाद को त्यागकर चित्र के दीपक के समान स्थिर और निरानंदमयी होना है l तो आज ही सहजयोग ध्यान सीखें सहजयोग ध्यान आत्मा को पाने की ऐसी पद्धति है जिसमें सहजता से निःशुल्क आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है। अधिक जानकारी हेतु हमारे हेल्पलाइन नंबर 18002700800 पर कॉल कर सकते हैं।

महाकाल मंदिर में अनोखी भक्ति: 70 लाख के चांदी के आभूषण और ड्रोन कैमरा हुआ अर्पित, हैरान रह गए लोग

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन, जहां हर कण में भगवान शिव का वास माना जाता है, एक बार फिर अनोखी भक्ति का गवाह बना। बाबा महाकाल के दरबार में रोज लाखों श्रद्धालु आते हैं, लेकिन कुछ भक्ति ऐसे पल छोड़ जाती है, जो लंबे समय तक याद रहते हैं। सोमवार को महाकाल मंदिर में दो अलग-अलग श्रद्धालुओं ने ऐसा दान किया, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। एक ओर जहां 70 लाख रुपये के चांदी के आभूषण अर्पित किए गए, वहीं दूसरी ओर मंदिर की सेवा के लिए ड्रोन कैमरा चढ़ाया गया।

70 लाख के चांदी के आभूषण ने खींचा सबका ध्यान– महाकाल मंदिर में उस समय एक खास माहौल बन गया, जब अहमदाबाद से आए श्रद्धालु महेश भाई भगवानदास ठाकुर अपने परिवार के साथ दर्शन के लिए पहुंचे। उनकी श्रद्धा सिर्फ दर्शन तक सीमित नहीं रही। उन्होंने बाबा महाकाल को करीब 29 किलो चांदी से बने भव्य आभूषण अर्पित किए, जिनकी कीमत लगभग 70 लाख रुपये बताई

जा रही है। मंदिर में मौजूद श्रद्धालु इन चमचमाते आभूषणों को देखकर हैरान रह गए। यह दान सिर्फ धन का नहीं, बल्कि गहरी आस्था और समर्पण का प्रतीक बन गया।

आभूषणों की खासियत– अर्पित किए गए आभूषणों में कई खास वस्तुएं शामिल थीं, जो बाबा महाकाल के श्रृंगार को और भव्य बनाती हैं। इनमें पगड़ी, गंगाजली युक्त मुकुट, नागफन और सूर्यकिरण जड़ित मुकुट, चंद्रमा अलंकृत मुकुट, मुण्डमाला, कुंडल, धूप पात्र, डमरू-घंटी, रुद्राक्ष माला, त्रिपुण्ड, चंवर और नेत्र जैसे अनेक श्रृंगार शामिल हैं। इन सभी आभूषणों का कुल वजन करीब 29 किलो 941 ग्राम बताया गया है। यह भव्य श्रृंगार न सिर्फ सुंदरता का प्रतीक है, बल्कि भक्त की श्रद्धा का भी प्रमाण है।

मंदिर समिति ने किया सम्मान– मंदिर प्रबंध समिति ने इस दान को विशेष महत्व देते हुए श्रद्धालु का सम्मान किया। सहायक प्रशासक एसएन सोनी ने इस दान को सच्ची भक्ति और समर्पण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे दान मंदिर की परंपरा और आस्था को और मजबूत करते हैं।

ड्रोन कैमरा का दान– जहां एक तरफ आभूषणों ने सबका ध्यान खींचा, वहीं दूसरी ओर एक और दान ने लोगों को प्रेरित किया। उज्जैन के भरतरी गुफा के पीर योगी श्री रामनाथ जी महाराज ने बाबा महाकाल को एक ड्रोन कैमरा अर्पित किया। यह दान खास इसलिए है क्योंकि इसका उपयोग मंदिर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में किया जाएगा। इससे सुरक्षा और निगरानी को और मजबूत किया जा सकेगा।

भिंड में अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण का भंडाफोड़ : युवक की सतर्कता से झोपड़ी में चल रहा रैकेट बेनकाब

भिंड। जिले के बागचीनी क्षेत्र के हड़वासी गांव में नहर किनारे एक साधारण झोपड़ी के अंदर चल रहे अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण के गोरखधंधे का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। एक जागरूक युवक की सतर्कता और साहस से इस पूरे मामले का भंडाफोड़ हुआ, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, झोपड़ी के अंदर गुप्त तरीके से महिलाओं का भ्रूण लिंग परीक्षण किया जा रहा था। यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि समाज में कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों को बढ़ावा देने वाला गंभीर अपराध भी है।

संदिग्ध गतिविधियों से हुआ शक– गांव के युवक विकास शर्मा को उस समय संदेह हुआ, जब उन्होंने एक वैन से लगातार महिलाओं को झोपड़ी में आते-जाते देखा। बार-बार हो रही इस गतिविधि के चलते उन्होंने सच्चाई जानने का निर्णय लिया और चुपके से वीडियो बनाते हुए झोपड़ी के पास पहुंच गए।

अंदर का दृश्य देख रह गए हैरान– झोपड़ी के अंदर पहुंचने पर विकास ने देखा कि वहां छह महिलाएं मौजूद थीं और निलंबित चपरासी संजय पचौरी कथित रूप से भ्रूण लिंग परीक्षण कर रहा था। आरोपी पूर्व में भी ऐसे ही मामले में पकड़ा जा चुका है और निलंबित है। युवक ने

सूझबूझ दिखाते हुए झोपड़ी को बाहर से बंद कर गांव वालों को सूचना दी, लेकिन इसी बीच आरोपी वैन चालक की मदद से झोपड़ी की घास हटाकर फरार हो गए।

पीछा कर पकड़ा गया वैन चालक– आरोपियों के भागने के बाद भी विकास ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपने एक साथी के साथ बाइक से वैन का पीछा किया और वैन चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया, जिससे पूरे मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी संजय पचौरी, दलाल विक्रम और वैन चालक राकेश प्रजापति के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। फिलहाल मुख्य आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का भाजपा पर हमला, किसानों से लेकर राज्यसभा चुनाव तक कई मुद्दों पर घेरा

भोपाल। मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आज भोपाल में विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर मीडिया से चर्चा करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने गेहूं खरीदी में देरी, दतिया मामले की सुनवाई, राज्यसभा चुनाव और आरएसएस जैसे विषयों पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

गेहूं खरीदी में देरी, किसान परेशान– नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश के किसान लगातार सरकार की उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। गेहूं खरीदी की तारीखें बार-बार बदली जा रही हैं–पहले मार्च, फिर 1 अप्रैल, 10 अप्रैल और अब 9 अप्रैल तय की गई है। इस बीच बारिश से फसल खराब हो रही है, लेकिन सरकार केवल दावे कर रही है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस लगातार किसानों की आवाज उठा रही है और उन्होंने स्वयं भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर चिंता जताई है। सिंघार ने सवाल उठाया कि भाजपा से जुड़े किसान संगठन, जो हर बार किसानों के हित की बात करते हैं, इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह भी इस गंभीर मुद्दे पर मौन है।

दतिया मामले पर हाईकोर्ट से उम्मीद– दतिया मामले को लेकर सिंघार ने कहा कि देश में संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाया जा रहा है और स्थिति 'चुनावी सत्तावाद' की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राजेन्द्र भारती की लड़ाई कांग्रेस की लड़ाई है और उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद है।

राज्यसभा चुनाव में हॉर्स ट्रेडिंग की आशंका– राज्यसभा चुनाव को लेकर सिंघार ने भाजपा पर आरोप लगाया कि उसका इतिहास सरकारें तोड़ने और खरीदने का रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में 'हॉर्स ट्रेडिंग' की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। हालांकि उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस के सभी विधायक एकजुट हैं और अधिकृत उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे।

खड़गे के बयान का समर्थन– कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आरएसएस पर दिए गए बयान का समर्थन करते हुए सिंघार ने कहा कि संघ जैसे पुराने संगठन का आज तक औपचारिक पंजीकरण नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक संघ मुख्यालय पर तिरंगा नहीं फहराया गया था। सिंघार ने कहा कि इन मुद्दों को लेकर खड़गे द्वारा भाजपा और आरएसएस पर की गई टिप्पणी का वे पूर्ण समर्थन करते हैं।

ब्रिजों के नीचे और खाली जगहों पर बनेंगे नए हॉकर्स ज़ोन, अवैध ठेलों पर लगेगा अंकुश

इंदौर। शहर में बढ़ती अव्यवस्थित ठेला-गुमटी संस्कृति और यातायात बाधाओं को देखते हुए नगर निगम ने हॉकर्स ज़ोन विकसित करने की नई योजना तैयार की है। निगम प्रशासन का दावा है कि अब ब्रिजों के नीचे और शहर की खाली पड़ी जगहों पर व्यवस्थित हॉकर्स ज़ोन बनाए जाएंगे, जिससे न सिर्फ अतिक्रमण कम होगा बल्कि ट्रैफिक व्यवस्था भी सुधरेगी। अब तक शहरभर में घोषित हॉकर्स ज़ोन पूरी तरह विकसित नहीं हो पाए हैं, जिसके कारण अवैध गुमटियां और ठेले सड़कों पर फैलते जा रहे हैं। इस स्थिति को सुधारने के लिए निगम ने नई रणनीति के तहत वैकल्पिक स्थानों का चयन किया है। खासतौर पर फ्लायओवर और ब्रिजों के नीचे की खाली जगहों का उपयोग कर व्यवस्थित बाजार विकसित किए जाएंगे।

मार्केट विकास और राजस्व पर भी फोकस– नगर निगम ने शहर के विभिन्न मार्केटों के पुनर्निर्माण और नए मार्केट बनाने की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। इसके लिए टेंडर जारी किए गए हैं और वित्तीय प्रस्तावों पर प्रक्रिया जारी है। पुराने मार्केटों से निगम को 15.24 करोड़ रुपए की आय हुई है, वहीं लाइसेंस शुल्क के रूप में 3.21 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। मनोरंजन कर से भी 1.40 करोड़ रुपए की वसूली की गई है। आजाद नगर मटन मार्केट की दुकानों के लिए पहले जारी टेंडर के तहत प्राप्त ऑफर्स पर आगे की कार्रवाई करते हुए संबंधित पक्षों को राशि जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा खाली दुकानों के लिए भी प्रीमियम राशि जमा कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

राशन वितरण व्यवस्था भी मजबूत– शहर में 'वन नेशन-वन राशन कार्ड' योजना के तहत 10 लाख 87 हजार परिवारों को पात्रता पर्ची के माध्यम से राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे प्रवासी और जरूरतमंद परिवारों को काफी राहत मिल रही है।

उद्देश्य: व्यवस्थित व्यापार और बेहतर ट्रैफिक– निगम का कहना है कि हॉकर्स ज़ोन बनने से छोटे व्यापारियों को स्थायी स्थान मिलेगा, वहीं सड़कों पर होने वाला अतिक्रमण घटेगा। इससे शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को भी सुधारने में मदद मिलेगी।

इंदौर के सभी उद्यान होंगे रोशन, 15 हजार नई एलईडी लाइटें लगेंगी

इंदौर। शहर को रोशनी से जगमग बनाने की दिशा में नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। महापौर द्वारा प्रस्तुत बजट में घोषणा की गई है कि शहर के सभी उद्यानों को चरणबद्ध तरीके से रोशन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रमुख उद्यानों में हाईमास्ट लाइटें भी लगाई जा चुकी हैं, जिससे सुरक्षा और सौंदर्य दोनों में सुधार होगा। नगर निगम शहर की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को भी मजबूत कर रहा है। वर्तमान में 90 प्रतिशत से अधिक स्ट्रीट लाइट चालू रहने का दावा किया गया है। वहीं, जिन एजेंसियों को रखरखाव का ठेका दिया गया है, उनके काम में कमी पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई भी की गई है। शहर के प्रमुख मार्गों पर करीब 140 किलोमीटर तक सेंट्रल लाइटिंग सिस्टम पहले से कार्यरत है। इसके अलावा यातायात सुधार के तहत लेफ्ट टर्न विकसित किए जा रहे हैं और विभिन्न वार्डों में 15 हजार नई एलईडी लाइटें लगाने की योजना बनाई गई है। इस कार्य के लिए 700 लाख रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। बिजली के खंभों और लाइनों की शिफ्टिंग के लिए भी 50 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। वहीं धार्मिक और राष्ट्रीय आयोजनों जैसे अनंत चतुर्दशी और मोहर्रम के दौरान अस्थायी प्रकाश व्यवस्था के लिए हेलोजन लाइटें लगाई जाती हैं। इन आयोजनों के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन के सहयोग से सीसीटीवी और अस्थायी कैमरों की भी व्यवस्था की जाती है। इसके अतिरिक्त, शहर के विभिन्न वार्डों और कॉलोनियों में स्थित उद्यानों को रोशन करने के लिए अलग से 1000 लाख रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। निगम का दावा है कि इन प्रयासों से शहर की सुंदरता के साथ-साथ नागरिकों की सुरक्षा और सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने की तैयारी तेज

सड़कों पर 70 इलेक्ट्रिक रोड स्वीपिंग मशीनें उतारेगा एमसीडी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता का स्तर सुधार के लिए नगर निगम दो तरफा जंग लड़ने की तैयारी कर रहा है। इसमें दिल्ली सरकार के सहयोग से जहां 70 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें (एमआरएस) आने से सड़कों से धूल हटाने का काम होगा तो वहीं इन वाहनों के डीजल के ईंधन की वजह से वायु प्रदूषण न हो इसका भी ख्याल होगा। इसके लिए एमसीडी 70 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों को इलेक्ट्रिक ईंधन युक्त खरीदेगी। सब कुछ ठीक ठाक रहा तो अक्टूबर में होने वाले वायु प्रदूषण के खराब स्तर से पहले यह वाहन एमसीडी के बेड़े में शामिल हो जाएंगे। एमसीडी ने इसके लिए तीन पैकेज बनाकर निविदाएं आमंत्रित की हैं। इसमें 1400 करोड़ की लागत से इन मशीनों को खरीदने का कार्य होगा। जिसमें ईलेक्ट्रिक मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों के साथ छह इलेक्ट्रिक वाटन टैंकर,24 इलेक्ट्रिक डस्ट डंपर, 140 इलेक्ट्रिक लिटर पिकर होंगे। दिल्ली के महापौर राजा

इकबाल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली की ट्रिपल इंजन की सरकार हर उस मुद्दे के समाधान में लगी है जो कि पिछली सरकार ने पूरी तरह से नजरअंदाज किया।

उन्होंने दिल्ली में भाजपा की सरकार आने के बाद न केवल जो दिल्ली सरकार से अनुदान मिलना चाहिए वह तय अनुदान से ज्यादा मिल रहा है बल्कि विभिन्न परियोजनाओं के लिए भी फंड मिल रहा है। इसी कड़ी में एमसीडी 1415 करोड़ की दिल्ली सरकार की सहायता के साथ इलेक्ट्रिक मशीनों को अपने बेड़े में शामिल करने जा रहा है। हमने इसके लिए निविदा आमंत्रित कर दी है। महापौर ने कहा कि इन मशीनों के आने से दिल्ली की सड़कों पर धूल से होने वाले प्रदूषण और गंदगी को कम करन में सहायता मिलेगी। एमसीडी की योजना है कि इन सड़कों को लोक निर्माण विभाग की 60 फिट से अधिक चौड़ी सड़कों पर चलेगी। इसके बाद एमसीडी की जो मशीनें अभी है वह 30-60 फुट चौड़ी सड़कों पर चलेगी। फिलहाल एमसीडी की 58 मशीनें ही पीडब्ल्यूडी की 60 फिट से अधिक चौड़ी सड़कों पर चल रही हैं।

एमसीडी ने इन 70 मशीनों के संचालन की पूरी कार्ययोजना बना ली है। जिसे दिल्ली के तीन हिस्सों में बांटकर इन 70 मशीनों को पीडब्ल्यूडी के 1410 किलोमीटर सड़कों पर रात 11 बजे से सुबह सात बजे तक संचालित किया जाएगा।

इसमें नार्थ जोन में 575.8 किलोमीटर क्षेत्र में 28 एमआरएस नियुक्त की जाएगी तो वहीं 140 में 56 लिटर पिकर और दो इलेक्ट्रिक वाटर टैंकर के साथ ही 10 इलेक्ट्रिक डस्ट डंप वाहन (मलबा ले जाने वाले) होंगे।

इसी प्रकार दक्षिणी जोन 455.72 किलोमीटर क्षेत्र में 23 एमआरएस मशीनें 46 लिटर पिकर, 2 वाटर टैंकर और आठ इलेक्ट्रिक डंस्ट डंप होंगे वहीं पूर्वी जोन में 378.53 किलोमीटर इलाके में 19 एमआरएस, 38 इलेक्ट्रिक लिटर पिकर, दो वाटर टैंकर और छह डस्ट डंप वाहन तैनात किए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार छोटी सड़कों पर भी एमआरएस चलने से धूल के प्रदूषण में कमी आएगी क्योंकि अभी तक इन सड़कों पर मशीनें न आने की वजह से मशीनों से सफाई नहीं होती थी।

तुर्कमान गेट हिंसा: भड़काने के आरोपित साजिद इकबाल को नहीं मिली राहत, अदालत ने अग्रिम जमानत खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी। तीस हजारी स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने तुर्कमान गेट इलाके में जनवरी में हुए पथराव और हिंसा के मामले में भड़काने वाले आरोपित की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है।अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शिल्पी जैन ने आरोपित साजिद इकबाल की दूसरी अग्रिम जमानत अर्जी को खारिज करते हुए कहा कि आरोप गंभीर हैं और मामले की जांच के लिए उसकी कस्टोडियल पूछताछ जरूरी है। अदालत ने यह भी माना कि आरोपित ने जांच एजेंसी के साथ सहयोग नहीं किया। पुलिस ने पेश किए वाडियो साक्ष्य अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपित की भूमिका भीड़ को उकसाने और आक्रामक तरीके से नेतृत्व करने की रही है, जिसकी गहन जांच अभी बाकी है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि अन्य आरोपितों को मिली जमानत का लाभ साजिद इकबाल को नहीं दिया जा सकता, क्योंकि उसकी भूमिका अलग है। सुनवाई के दौरान पुलिस ने वीडियो साक्ष्य पेश किए, जिनमें आरोपित को मस्जिद की ओर जाते, बैरिकेड हटाते और इशारों से भीड़ को इकट्ठा करते हुए दिखाया गया। यह मामला रामलीला मैदान के पास स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के नजदीक छह जनवरी की रात अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान हुई झड़प से जुड़ा है। 20 आरोपियों को मिल चुकी है जमानत पुलिस के अनुसार, इंटरनेट मीडिया पर

मस्जिद तोड़े जाने की अफवाह फैलने के बाद 150-200 लोगों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस व निगम कर्मचारियों पर पथराव किया गया, जिसमें छह पुलिसकर्मी घायल हुए। इस मामले में अब तक 20 आरोपितों को नियमित जमानत मिल चुकी है। अदालत ने माना कि साजिद इकबाल की भूमिका और जांच की जरूरत को देखते हुए उसे इस समय राहत नहीं दी जा सकती।

दिल्ली पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर 12 किए गिरफ्तार; बेचते थे फर्जी रोडसाइड असिस्टेंस पॉलिसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने गुरु अर्जुन नगर में चल रहे एक

फर्जी कॉल सेंटर को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया। इस सेंटर के जरिए आरोपी लोग 'आरडी सर्विसेस' नाम से फर्जी रोडसाइड असिस्टेंस पॉलिसी बेचकर लोगों से ठगी की जा रही थी। जानकारी के मुताबिक, 4 अप्रैल को रणजीत नगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के गुरु अर्जुन नगर स्थित रतन लाल कॉम्प्लेक्स में छापेमारी की गई थी। इस दौरान दो मालिकों समेत 10 टेली-कॉलर्स को गिरफ्तार किया गया था। कुल 12 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, इस सेंटर के प्रोपराइटर पांडव नगर निवासी सौरभ (28 वर्ष) और शादीपुर निवासी शाहनवाज (28 वर्ष) हैं। अंजलि (25), बालजीत नगर काशिश (21), न्यू रणजीत नगर रजनी (20), सकुरबस्ती गनमान (21), रणजीत पूजा (30), प्रेम नगर कविता (26), बालजीत नगर मंजू (20), बालजीत नगर रक्षा (22), इंदरलोक इमरान (20), इंदरलोक अनु (29), करोल बाग ठगी का तरीका आरोपी लोगों को फोन पर कॉल करके बताते थे कि उनके वाहन में कहीं भी पंचर, ब्रेकडाउन या किसी भी इमरजेंसी में तुरंत मदद मिलेगी। विश्वास दिलाने के लिए कैश ऑन डिलीवरी (ष्टह्लष) का ऑफर देते और तीन से चार हजार रुपये में प्लास्टिक पॉलिसी कार्ड घर पर डिलीवर करने का वादा करते। लेकिन पैसे लेने के बाद हेल्पलाइन नंबर (कीपैड मोबाइल) पर कॉल करने पर कोई जवाब नहीं मिलता और न ही कोई सहायता दी जाती।यह फर्जी सेंटर पिछले 6 महीने से सक्रिय था। आरोपी लोगों के पास न तो कोई लाइसेंस था और न ही वैध रजिस्ट्रेशन। सभी आरोपी और बरामद सामान को रणजीत नगर पुलिस को सौंप दिया गया है। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि पूछताछ में आरोपी और भी महत्वपूर्ण खुलासे कर सकते हैं। इस तरह की फर्जी रोडसाइड असिस्टेंस स्कीम से आम लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

गोवा नाइटक्लब अग्निकांड: जालसाजी मामले में लूथरा ब्रदर्स की याचिका पर कोर्ट आज सुनाएगी फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। गोवा नाइटक्लब में आग लगने के मामले में आरोपित सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा द्वारा जालसाजी के मामले में दायर याचिका पर गोवा की एक अदालत आठ अप्रैल को फैसला सुनाएगी। इस मामले में सोमवार को सुनवाई पूरी हो गई। एक सत्र अदालत ने हाल में उन्हें आग लगने के मामले में जमानत दे दी थी, लेकिन जालसाजी मामले के कारण वे हिरासत में हैं। लूथरा बंधु 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब के मालिक हैं, जहां पिछले साल आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। घटना के बाद वे थाईलैंड भाग गए थे, लेकिन बाद में वहां से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद उन्हें इस मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। इन दोनों पर अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) समेत फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल कर गोवा में नाइटक्लब संचालन के लिए अनुमति और आबकारी लाइसेंस हासिल करने का भी आरोप है।

राजोद थाना अंतर्गत ग्राम गोंदी खेड़ा चारण में व्यापारी व पत्नी को बंधक बनाकर की लूट

लाबरिया - धार जिले में चोर लुटेरे गिरोह का आतंक लगातार बढ़ता ही जा रहा है जिसके चलते लगातार गंभीर वारदात सामने आ रही है , और एक व्यक्ति को अपनी जान भी गवाना पड़ी है , इसी कड़ी में धार जिले के राजोद थाना अंतर्गत गोंदी खेड़ा चारण में बीती रात एक से दोः बजे के बीच एक मिर्ची व्यापारी के यहां पर अज्ञात लुटेरों ने धावा बोलते हुए मिर्ची व्यापारी पति-पत्नी को बंधक बनाकर जमकर मारपीट की तो लाखों रुपए के आभूषण नगदी लूट कर ले गए वही इस मारपीट में गंभीर घायल मिर्ची व्यापारी देव कृष्ण पुरोहित की मौत हो गई है , जिससे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है , घटना के विषय में प्राप्त जानकारी के अनुसार धार जिले के राजोद थाना अंतर्गत गोंदी खेड़ा चारण में बीती रात एक से दो,बजे के बीच में 8 से 10 की संख्या में अज्ञात बदमाश मिर्ची व्यापारी देव कृष्ण पिता लक्ष्मण पुरोहित के घर में घुसे इस दौरान मिर्ची व्यापारी देव कृष्ण व उनकी पत्नी जिस रूम में सोए थे वहां पर आरोपियों ने इन्हें बंधक बनाकर मारपीट की जिसके बाद पत्नी को अलग रूम में बंद कर दिया और घर में रखें आभूषण नगदी की मांग करने लगे जिस पर पत्नी ने जो भी सामान था उन्हें ले जाने की बात कही वहीं दूसरे रूम में मिर्ची व्यापारी देव कृष्ण को ले जाकर उनके मुंह मे कपड़ा ठूस उनसे जमकर मारपीट की गई जिसमें देव कृष्ण पुरोहित गंभीर रूप से घायल हो गए इस दौरान व्यापारी के अन्य परिजन भी दूसरे कमरों में सोए थे जो चिल्ला पुकार सुनकर उठ गए थे , वहीं मारपीट की घटना के बाद अज्ञात लुटेरे घर में रखे कीमती आभूषण नगदी आदि लाखों रुपए का सामान लेकर फरार हो गए उक्त घटना की सूचना परिजनों द्वारा तुरंत राजोद पुलिस को दी गई जो देर बाद मौके पर पहुंची , इस दौरान गंभीर घायल देव कृष्ण को सरदारपुर अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार के दौरान देव कृष्ण पुरोहित की मौत हो गई है , इधर घटना के बाद धार एसपी, मयंक अवस्थी,,एडिशनल एसपी पारुल बेलापुरकर सरदारपुर एसडीओपी विश्व दीप सिंह परिहार सहित राजोद थाना पुलिस और फारेंसिक टीम डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचे और मामले में जांच पड़ताल में जुटे हैं , वहीं लाबरिया के पास गोंदी खेड़ा में हुई सनसनीखेज लूट से और व्यापारी की मौत से क्षेत्र वासियो में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

BOLLYWOOD

इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को रिप्रेजेंट करेंगी रश्मिका मंदाना

फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से बॉलीवुड और साउथ में अपना नाम कमाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अब इंटरनेशनल लेवल पर एक बार फिर इंडिया को प्रस्तुत करने वाली हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना 'एनिमल' और 'पुष्पा' जैसी सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। रश्मिका मंदाना अब इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को प्रस्तुत करने की तैयारी में हैं। खबर है कि वह इस साल टोक्यो में होने वाले ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में बतौर प्रेजेंटर नजर आएंगी। यह बड़ा इवेंट 23 मई को जापान के टोक्यो शहर में आयोजित किया जाएगा। खास बात यह है कि रश्मिका इससे पहले भी 2024 में इस अवॉर्ड शो का हिस्सा रह चुकी हैं और उस समय वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय प्रेजेंटर बनी थीं। रश्मिका ने खुद इस खबर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि वह एक बार फिर जापान जाकर एनीमे से जुड़े टैलेंटेड लोगों के साथ इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। बता दें कि एनीमे अवॉर्ड्स दुनियाभर के कलाकारों, क्रिएटर्स और एनीमे लवर्स को एक साथ लाने वाला बड़ा प्लेटफॉर्म है, जहां बेहतरीन काम को सम्मानित किया जाता है। रश्मिका का एनीमे और जापान से खास कनेक्शन भी रहा है। 2024 में पहली बार जापान जाने का उनका सपना पूरा हुआ था और तब उन्होंने इस अनुभव को अपने करियर के सबसे खास पलों में से एक बताया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका 'रणबाली' और 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी। 'कॉकटेल 2' फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और कृति सेनन लीड रोल में होंगी। वहीं रणबाली 11 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें रश्मिका अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी।

टिहरी झील की लहरों में दिखेगा करतब

● प्रदेश में पहली बार ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के लिए गर्व और रोमांच से भरा एक ऐतिहासिक अवसर आने जा रहा है. उत्तराखंड में पहली बार 25 वीं ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. यह बहुप्रतीक्षित प्रतियोगिता 8 से 12 अप्रैल तक टिहरी झील स्थित डब्ल्यूएसएआई (वाटर स्पोर्ट्स एंड एडवेंचर इंस्टीट्यूट) आईटीबीपी परिसर में आयोजित होगी।

देश भर की पुलिस और अर्धसैनिक बलों की टीमें इस प्रतियोगिता में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगी. प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ 9 अप्रैल को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया जाएगा. इस आयोजन को लेकर राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में असम राइफल्स, सेंट्रल रिज़र्व पुलिस फोर्स ,बॉर्डर सिक्योरिटी बल और आईटीबीबी सहित देशभर की कुल 19 टीमों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे. प्रतियोगिता के दौरान कुल 52

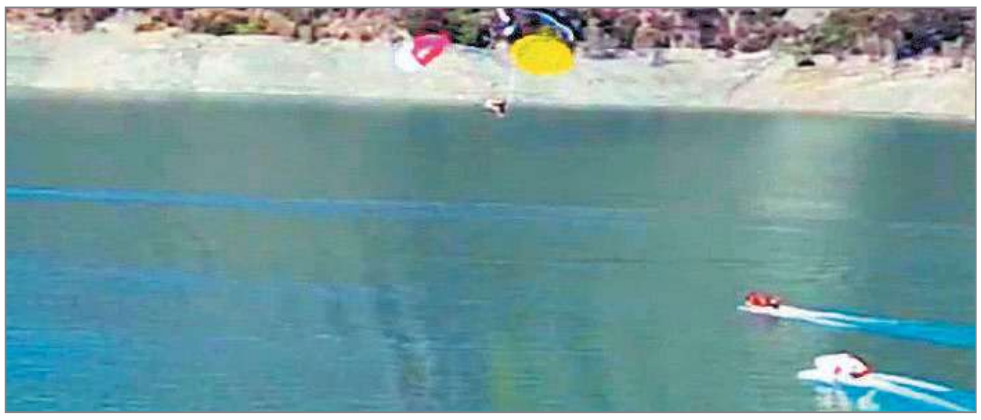

इवेंट्स आयोजित किए जाएंगे, जिनमें कयाकिंग, कैनोइंग, रोइंग और अन्य रोमांचक जल क्रीड़ाएं शामिल हैं।

आईटीबीपी नॉर्दर्न फ्रंटियर के आईजी मनु महाराज ने प्रदेश वासियों से अपील करते हुए कहा कि यह आयोजन उत्तराखंड के लिए गौरव का विषय है. उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाने का आह्वान किया है।

उनका कहना है कि इस तरह के आयोजन न केवल खेलों को बढ़ावा देते हैं, बल्कि राज्य की पर्यटन क्षमता को भी नई पहचान दिलाते हैं. टिहरी झील, जो पहले से ही अपने प्राकृतिक सौंदर्य और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए जानी जाती है, अब राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन के जरिए देशभर में एक नई पहचान बनाने जा रही है।

प्रतियोगिता के दौरान सुरक्षा, व्यवस्थाओं और खिलाड़ियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं. आईटीबीपी को इस आयोजन की पूरी जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसे लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं. इस आयोजन के जरिए उत्तराखंड को वॉटर स्पोर्ट्स के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

साथ ही यह प्रतियोगिता युवाओं को जल क्रीड़ाओं की ओर आकर्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. कुल मिलाकर 8 से 12 अप्रैल के बीच टिहरी झील खेल, रोमांच और देशभक्ति के रंग में रंगी नजर आएगी, जहां देश भर के जांबाज अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरते दिखाई देंगे।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप

प्रीति, प्रिया और अरुंधति फाइनल में पहुंचीं

● अब तक चार बॉक्सर फाइनल में, निखत जरीन और लवलीना टूर्नामेंट से बाहर

मंगोलिया (एजेंसी)। मंगोलिया के उलानबटोर में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के लिए सोमवार का दिन मिला-जुला रहा। प्रीति पवार, प्रिया और अरुंधति चौधरी ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बना ली है। अब तक भारत की चार मुक्केबाज फाइनल में पहुंच चुकी हैं। प्रीति पवार ने पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट को एकतरफा मुकाबले में हराकर गोल्ड मेडल की उम्मीद मजबूत कर दी है। वहीं, निखत जरीन और लवलीना बोरगोहेन को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा, जिससे उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा।

प्रीति ने पेरिस ओलिंपिक मेडलिस्ट को शिकस्त दी- 54 केजी वेट कैटगिरी में प्रीति पवार ने पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट कोरिया की एजी इम को 5-0 से हराया। वर्ल्ड बॉक्सिंग कप की गोल्ड मेडलिस्ट प्रीति ने तीनों राउंड में अपना नियंत्रण बनाए रखा और विपक्षी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। अब फाइनल में उनका मुकाबला चीनी ताइपे की हुवांग हिसयाओ-वेन से होगा, जो तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन और टोक्यो ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं।

प्रीति पवार ने पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट को हरा कर एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप के फाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

प्रिया और अरुंधति भी फाइनल में गोल्ड के लिए भिड़ेंगी- 60 किलोग्राम वेट कैटगिरी में प्रिया ने स्थानीय खिलाड़ी मंगोलिया की नामून मोंखोर को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। अब वे फाइनल में उत्तर कोरिया की उन ग्योंग वॉन से भिड़ेंगी। वहीं, 70 किलोग्राम कैटेगरी में अरुंधति चौधरी ने उज्बेकिस्तान की ओयशा तोइरोवा को 4-1 से हराया। फाइनल में उनका सामना कजाकिस्तान की बकित सेदिश से होगा। 60 किलोग्राम वेट कैटगिरी में प्रिया नेमंगोलिया की नामून मोंखोर को 5-0 से हराकर एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप के फाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

बिजली कटने से अंकुशिता बोरो को अंकों के आधार पर हार मिली

65 किलोग्राम वेट में अंकुशिता बोरो और चीनी ताइपे की निएन-चिन चेन के बीच मैच के दौरान पहले राउंड के बाद बिजली गुल हो गई। काफी देर तक बाधा रहने के कारण मैच का फैसला पॉइंट्स के आधार पर किया गया, जिसमें अंकुशिता को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा।
आज दो कैटगिरी का सेमीफाइनल- चैंपियनशिप के अगले दौर में 7 अप्रैल को भारत की दो और मुक्केबाज (48केजी और 57केजी कैटेगरी) अपने सेमीफाइनल मुकाबले खेलेंगी।

सट्टेबाजी का दबाव खिलाड़ियों को तोड़ रहा

● टारगेट पूरे करने के लिए एथलीट्स को परिजनों की हत्या की धमकी, अपशब्दों की बौछार

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। एक कॉलेज बास्केटबॉल खिलाड़ी मैच शुरू होने से पहले अपना मोबाइल खोलता है। स्क्रीन पर अजनबी का संदेश दिखता है, 'सुनो, यह मजाक नहीं है। अगर तुमने आज 22 पॉइंट्स व 12 बाउंड्स नहीं बनाए, तो उसकी काबिलियत पर 'दांव' लगा था। हालांकि वह मैदान में उतरा और स्वाभाविक खेलने की कोशिश भी की। एक्सपर्ट कहते हैं, हम इस समय 'मार्च मैडनेस' के बीच में हैं- जो अमेरिकी खेलों में सबसे अधिक सट्टेबाजी वाला

आयोजन है।
अनुमान है कि अकेले इस साल के टूर्नामेंट पर 25 हजार करोड़ रुपए दांव पर लगे हैं। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की प्रोफेसर और मनोवैज्ञानिक एमी कडी कहती हैं, 'आज के एथलीट सिर्फ शारीरिक थकान से नहीं, बल्कि नए मनोवैज्ञानिक खतरे से जूझ रहे हैं, जिसे 'सोशल-इवैल्यूएटिव थ्रेट' (सामाजिक परख का खतरा) कहते हैं।

तुम्हारे सभी करीबी मार दिए जाएंगे।' यह डरावना संदेश किसी फिल्म की पटकथा नहीं, बल्कि 2024 के एनसीएए (नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन) की स्टडी का हिस्सा है।
उस खिलाड़ी ने अभी कोर्ट पर कदम भी नहीं रखा था, न ही कोई शॉट मिस किया था। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि सट्टेबाजी की दुनिया में